

प्रिय भाई पांडुरंगजी,

जय शीर,

काफी समय से आपको पत्र नहीं लिख सका,
आपके भेजे हुए Booklets मिल गए थे, मैं पिछले एक
महीने से यहां चल रही आन्दोलन की सीधी कार्यवाही
में व्यस्त रहा हूँ, यहां जंगलों से सूखी लकड़ी से
कोयला जला कर वन निगम लोगों को ईंधन के
अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, इससे जनता
ने वन निगम को नोटिस दे कर 7-8 जंगलों से
ईंधन पर अपना अधिकार वापस लिया है,

तत्पश्चात् प्रबल बुद्धिजीवी के साथ
पूरे हिमाचल की वस यात्रा का आयोजन किया
था, यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों,
पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जन
साधारण से सम्पर्क किया गया, धरिरे-2
आन्दोलन जनमानस के स्थान बनाता जा
रहा है,

पिछले दिनों एक और समस्या से
हो चार होना पड़ा, चारों land development
व Dept. of Environment कुछ Plantation
projects चालू करने को लोच रहे हैं,
जिस विषय में उन्होंने हमसे भी सम्पर्क

कामला,
24.3.86.

किया था, कुछ कार्यकर्ताओं का विचार रहा कि
हमें इस कार्यक्रम को अपने हाथ में ले लेना
चाहिए, किन्तु अधिकारों इस बात के थे कि
हमारी शक्ति जनमत है, पैसा नहीं; पैसा में
involvement से कार्यकर्ता को द्वि-युक्ति
कार्य के प्रयास भी होंगे और projects
को finance करने वालों का चिन्तन ही
(dominant) होगा, जिससे वर्तमान व्यवस्था
के विरुद्ध सशक्त आवाज उठाने की क्षमता
घटती जाएगी, यह आन्दोलन और कार्यकर्ता
की वैचारिक मूल्य के समान होगा,
अतः स्वतन्त्र रह कर विचार की ज्योति को
जागते रहने का ही निर्णय हुआ।

आशा है आप सब ठीक ठीक होंगे
अपने यहां के समाचारों से अवगत
रहें।

आपका

अप्रैल के अन्त
में सिलकारा में
कार्यकर्ता गोष्ठी में यदि
आप आ सकें तो भेंट
हो सकेगी,

कुलभद्र उभयानन्द

अन्तर्देशीय पत्र कार्ड
INLAND LETTER CARD



To

Sh. Pandurang Hegde
Pasisasa - Sansakshan Kendra
Hulemalgi Building
SIRSI (Uttar Kannada)
Karnataka

पिन PIN

5 8 1 4 0 1

THIRD FOLD

इस पत्र के भीतर कुछ न रखिए NO ENCLOSURES ALLOWED
पते में पिन कोड लिखें WRITE PIN CODE IN ADDRESS
प्रेषक का नाम और पता :— SENDER'S NAME AND ADDRESS :—

Kul Bhushan Upmanyu

पिन PIN

1 7 6 2 0 7



TO OPEN CUT HERE